RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

# महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष - 23 | अंक - 08 | मुंबई, 05 जून 2024 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

# बलात्कारी बाबा जोसेफ जेम्स जेवीयर से सावधान...

## नौकरी दिलाने का लालच देकर नौजवान लड़कियों को बनाता है अपनी हवस का शिकार

**मुम्बईः** इस बलात्कारी बाबा का नाम जोसेफ जेम्स जेवीयर है। कहने के लिये यह अपने आप को एक इंटीरियर डिजायनर और कर्नाटक राज्य से पंजीकरण किये गये नेशनल एंटी क्राइम ह्यूमन राइट्स ऑफ इंडिया नामक एक एन.जी.ओ. का पदाधिकारी बताते हैं। इसी एन. जी.ओ. के माध्यम से लोगो की सेवा करने का आश्वासन देते है। इसी आश्वासन पर लोग अपना विश्वास बनाये हुये है। लेकिन इनका असल काम जो है वह मुंबई शहर के अंतर्गत आने वाले स्लम इलाको में बनने वाले घरो की मुंबई महानगर पालिका में उनकी शिकायत करके उनसे या तो रुपए लेकर समझौता करना है। यदि घर मालक ने रुपये नहीं दिये तो अधिकारियों से कहकर उस घर को तुड़वा देना और जब तक इस बलात्कारी बाबा को रुपये देने के लिये घर मालिक तैयार नही हो जाता, तब तक यह बलात्कारी बाबा उन अधिकारियो को घर बनान की अनुमती देने से मना करता हैं। मजबूरी में आखिरकार घर मालिक इस बलात्कारी बाबा को रुपए देकर अपने घर को बनाने की शुरवात करता। यह है इस बलात्कारी बाबा का लोगो के बीच समाजसेवा करने का तरीका। और तो और यह इस बलात्कारी बाबा अपने आप को मुंबई महानगर पालिका के बड़े अधिकारियो से इनकी बहोत अच्छे तालमेल है उन अधिकारियो से कहकर इस बलात्कारी बाबा किसी भी व्यक्ति को स्थाई नौकरी पर लगा सकते है। यह कहकर आज तक इस बलात्कारी बाबा ने कई लोगो से अच्छी खासी रकम लेकर उन्हें नौकरी दिलाने का आश्वासन देते है। इसी तरह लोगो को गुमराह करके इस बलात्कारी बाबा ने कई जरुरतमंद लोगो से रुपए लिये है।

इसी तरह से एक चौबीस साल की जरूरतमंद लड़की नौकरी की चाह में जुबेर शैफी नामक व्यक्ति के बताने पर इस बलात्कारी बाबा के पास गई। बाबा ने उस मजबूर लड़की को पूरा भरोसा दिलाया कि तुम्हे हम मुंबई महानगर पालिका के अधिकारी से कहकर हमेशा के लिये स्थाई नौकरी पर लगवा दूंगा। यह सुन कर बिचारी लड़की बहोत खुश हुई और अपने ही मन में

झुमने लगी लेकिन उस बेचारी ना समझ लड़की को यह नही मालूम

**श्री रविन्द्र काटकर**
(वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक
वरली पुलिस स्टेशन)

था कि यह एक झूठा, मक्कार फरेबी बाबा है। यह लोगो को इसी तरह से झूठा वादा करके उनसे या तो रुपयों की ठगी करता है। या फिर उन जरूरतमंद लडकियों को अपनी हवस का शिकार बनाता है। दिनांक १६/०५/२०२४ की रात यह बलात्कारी बाबा अपने कुछ साथियों के साथ बांद्रा स्थित एक बियर बार में शराब का सेवन कर रहा था। अचानक उन्हें यह जरूरतमंद लड़की की याद आई और इस बलात्कारी बाबा ने उस लड़की को फोन करके कहा कि इस समय मै बांद्रा में मुंबई महानगर पालिका के बड़े अधिकारियो से साथ बैठा हूं। तुम जल्दी से यहां आ जाओ। मै तुम्हारी बात इन अधिकारियो से करा कर तुम्हारी नौकरी पक्की करा दूंगा। बेचारी लड़की यह सुन कर फौरन बलात्कारी बाबा के बताये हुये पते पर पहुंच गई। वहां यह बलात्कारी बाबा ने लड़की को शराब पीने के लिये बहुत जबरदस्ती की लेकिन लड़की ने शराब का सेवन नही किया और कुछ समय बाद बलात्कारी बाबा ने लड़की से कहा की तुम आने में थोड़ी देर कर दी। जिस अधिकारी से मै तुम्हे मिलवाना चाहता था वह तुम्हारे आने से पहले निकल गये। अब तुम मेरे साथ वर्ली उन के घर चलो। मै तुम्हे उनसे मिला कर तुम्हारी बात करा देता हूं। बेचारी लड़की इस शैतान बाबा की मीठी बातो में आ गई और इस बलात्कारी बाबा के साथ वर्ली के लिये निकल गई। वर्ली पहुंच कर लड़की ने पूछा कि आप मुझे अधिकारी से मिलवाने वाले है।

बलात्कारी बाबा ने अपनी कार एक सुनसान जगह लगा कर बेचारी लड़की को अपनी हवस का शिकार बनाया। यही मकसद था इस बलात्कारी बाबा का जो अपने मनसूबे में वक्ती तौर पर कामयाब तो हो गया लेकिन इस बलात्कारी बाबा को यह नहीं मालूम था कि यह लड़की और लडकियों की तरह चुप नहीं रहेगी। लड़की ने तत्काल में वर्ली पुलिस थाने जाकर प्रभारी पुलिस अधिकारी को अपनी आप बीती बताई। पुलिस ने लड़की की सारी बात सुन कर तत्काल मामला दर्ज किया। अब यह बलात्कारी बाबा वर्ली पुलिस थाने के अन्दर सलाखों के पीछे बन्दर की तरह दुम दबाकर बैठा है।

## महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में प्री-मॉनसून बारिश गरज के साथ होने की संभावना

**मुंबईः** देश में मॉनसून के प्रवेश के बाद रविवार को यह कर्नाटक राज्य के कुछ हिस्सों में पहुंच गया। अगले दो-तीन दिनों में मॉनसून के कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ और हिस्सों में पहुंचने की संभावना है। हालांकि महाराष्ट्र में कुछ ही दिनों में मॉनसून आने की उम्मीद है, लेकिन इस साल जून की सुबह में भी मुंबई को प्री-मानसून बारिश से राहत नहीं मिली है। मौसम विभाग की माने तो अगले 36 घंटों के भीतर मुंबई क्षेत्र में प्री-मॉनसून गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। 6 जून से और भी व्यापक गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं अगले 2 दिनों में मॉनसून की सही तारीख स्पष्ट हो जाएगी। इसके अलावा महाराष्ट्र के अधिकांश भागों में खासकर मध्य महाराष्ट्र और उससे सटे मराठवाड़ा में आज से प्री-मॉनसून गरज के साथ बारिश होगी।

# सावधान ! सावधान ! सावधान !.....

## इस बार बंटी से नहीं सिर्फ अकेली बबली से रहो सावधान...

**मुंबईः** बंटी और बबली यह नाम आज कल लोगो के बीच खूब चर्चा में है। यह नाम सुनते ही लोगो के कान खड़े हो जाते हैं और लोग अपने आप को ठगी से सुरक्षित रहने के लिये सावधान हो जाते है, लेकिन अब बंटी और बबली ने लोगो को ठगने का एक नया तरीका खोज निकाला है। इस नये तरीके में बंटी का किरदार परदे के पीछे का है, लेकिन इस बार बबली खुद फिल्म में मुख्य किरदार में नजर आ रही है। खबर लिखे जाने तक बबली के अब तक कई लोगो को अपना शिकार बना चुकी है।

पुणे शहर के स्थानिक रहिवासियो के अनुसार शोभारानी रामकृष्ण दासिलेती (बबली) नामक महिला पुणे शहर में कही भी किसी भी कारखाने, होटल, पार्लर, में काम की तलाश में जाती है और वहां के प्रबंधक या मालिक से मिल कर अपनी मनगढ़त कहानी सुना कर नौकरी मांगने के लिये विनंती करती है। बबली की मनगढ़त कहानी सुनकर मालिक व प्रबंधक को दया आती है और वह पहले बबली पर दयादृष्टि से उसे खाने या नास्ते का प्रबंध करते है बबली खाने के कुछ देर बाद अचानक चिल्ला पुकार करने लगती है। बबली की आवाज सुन कर जब लोग पूछते है की क्या हुआ? तब उन पूछने वालो से कहती है कि देखो मै बहोत मजबूर हूं। मै यहा काम की तलाश में आई थी लेकिन मेरी मजबूरी का फायदा उठा कर नौकरी के बदले में यह मेरे शारीरिक संबंध बनाने की मांग कर रहे है और इन्होने मेरे शरीर को यहां वहां हाथ लगाया है। यह कहकर दूरध्वनी १०३ पर पुलिस से मदत मांगती है। पुलिस के आते ही बबली यह मांग करती है कि अभी तुम्हे जेल जाना है या अपनी इज्जत बचाना है? यदि अपनी इज्जत बचाना है तो मुझे इतने रुपए दे दो। मै मामला यही समाप्त करती हूं। आखिर

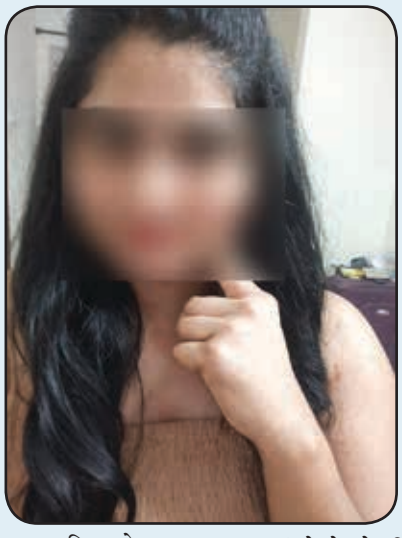

कौन है जो अपनी इज्जत खुलेआम सरे बजार में निलाम करना चाहेगा? आखिरकार बबली को रुपए देकर मामले को रफा दफा कर देने में ही लोग अपनी भलाई समझते है।

स्थानिक सूत्रों के अनुसार बबली ने इसी महीने में बाणेर परिसर में एक पार्लर में जाकर वहां अपने आप को एक ब्यूटीशियन बता कर काम मांगने के के लिये विनंती कर रही थी। लगभग एक घंटे बाद बबली ने चिल्ला पुकार करना शुरू किया। चिल्ला पुकार सुनकर कई लोग धीरे धीरे जमा होने लगे। इससे पार्लर के मालिक व मालकिन ने उसे पूछा कि तुम ऐसा क्यों कर रही हो? इतने में बबली ने कहा कि मै अभी पुलिस बुलाती हूं और कहूंगी की तुम मुझसे देह व्यापार कराने के लिये मुझ पर जोर दे रही हूं। मालकिन ने बबली से बाहर जाने को कहा तभी बबली ने सीधे पुलिस थाने जाने की धमकी दी। नही तो मामला यही रफा दफा करना है, यह कह कर बबली ने एक लाख रुपए की मांग की।

मौके की नजाकत को देखते हुये मालकिन ने खुद तत्काल मे स्थानिक चतुर्शिंगी पुलिस थाने में फोन करके मदद मागी, तत्काल में पुलिस के आने पर बबली यह देख खुद भागने मे कामयाब हो गई। इसी बात को देख कर चतुर्शिंगी पुलिस ने दिनांक ८/५/२०२४ के रोज इस घटना की शिकायत अदखलपात्र कलम ५०७ के तहत मामला दर्ज किया और मामले में आगे की तहकीकात चतुर्शिंगी पुलिस कर रही है और पुणेकर लोगो को उम्मीद है कि बबली बहुत जल्द चतुर्शिंगी पुलिस की गिरफ्त में होगी।

# संपादकीय

## आशातीत सफलता नहीं

**बीजेपी को जिन राज्यों से सबसे ज्यादा उम्मीद थी. उन राज्यों में बीजेपी को सबसे ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ा. राजस्थान, महाराष्ट्र, यूपी और पश्चिम बंगाल में बीजेपी को आशातीत सफलता नहीं मिली. पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी बीजेपी पर भारी पड़ी. राज्य में साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 18 सीटों पर जीत हासिल की थी, लेकिन वहां आशा कर ही थी कि उसकी सीटों की संख्या में इजाफा होगा, लेकिन यह संख्या बढ़ने की जगह कम हो गई. बीजेपी को 12 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है. बीजेपी के आला नेता दिलीप घोष और निशीथ प्रमाणिक को पराजय का सामना करना पड़ा. केंद्रीय राज्य मंत्री सुभाष सरकार भी बांकुड़ा से पराजित हुए. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा दिया था, लेकिन इस चुनाव में बीजेपी अकेले बहुमत का आंकड़ा नहीं पार सकी, बल्कि एनडीए का आंकड़ा 292 के आसपास सिमट गया है. हालांकि इस आंकड़े से एनडीए आसानी से सरकार बना लेगी. इस चुनाव में विपक्षी पार्टियों के गठबंधन इंडिया गठबंधन का आंकड़ा बढ़ गया है. इंडिया गठबंधन का आंकड़ा करीब 233 तक पहुंच गया, जबकि अन्य को 17 सीटों से संतोष करना पड़ा. पांच साल पहले बीजेपी ने अकेली ही 303 सीटें हासिल कीं थी, लेकिन इस बार राजस्थान, यूपी, महाराष्ट्र और बंगाल में एनडीए गठबंधन को नुकसान का सामना करना पड़ा है, लेकिन ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में बढ़त ने उसके नुकसान की भरपाई कर दी है. इसके साथ ही बीजेपी ने गुजरात की 26 सीटों में से 25 पर जीत हासिल की. इसी तरह से मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों पर बीजेपी ने जीत हासिल की. इसी तरह से बिहार में एनडीए को नुकसान तो हुआ, लेकिन बीजेपी और जदयू ने कुल 24 सीटों पर जीत हासिल की. पीएम नरेंद्र मोदी ने जीत के बाद बीजेपी मुख्यालय में अपने भाषण में ओडिशा और आंध्र प्रदेश की प्रशंसा की. बता दें कि ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत हासिल की. राज्य में लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों में बीजेपी को जीत मिली है. उसने मौजूदा मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अगुवाई वाली सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) को सत्ता से बाहर कर दिया है. 2019 के चुनावों में नवीन पटनायक के नेतृत्व में बीजद ने 12 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा को आठ और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) को सिर्फ एक सीट मिली थी. 2019 के ओडिशा विधानसभा चुनावों में बीजद ने 112 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा को 23 सीटें मिलीं थी.**

# फायर सेफ्टी में लापरवाही मनपा ने 17 मॉल्स को थमाया नोटिस

# मालाड मॉल का काटा पानी-बिजली

**मुंबई :** मनपा आयुक्त भूषण गगरानी के निर्देश के बाद फायर ब्रिगेड ने मुंबई के मॉल का सर्वेक्षण शुरू किया। फायर ब्रिगेड नेथे मुंबई के 68 मॉल का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में पाया गया कि 48 मॉल्स में आग से बचने का उपाय किया गया था। वहीं फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं करने वाले 17 मॉल्स को नोटिस जारी किया गया है। मालाड पश्चिम के एक मॉल में सोमवार को आग लग गई जो फायर सेफ्टी का पालन न करने वाले लिस्ट में था। मनपा ने मॉल को असुरक्षित घोषित करते हुए बिजली-पानी काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुंबई फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने बताया कि जिन मॉल्स को नोटिस दी गई है उन्हें 30 दिनों के भीतर फायर सेफ्टी लगाना होगा।

फायर ब्रिगेड के प्रमुख संतोष सावंत ने कहा कि जिन 17 मॉल्स को नोटिस दी गई थी उसमें से मालाड वेस्ट स्थित मॉल को पिछले सप्ताह जांच में मिली खामी को सुधारने के लिए नोटिस जारी किया गया था। सोमवार को उसी मॉल में आग लग गई। इसे गंभीरता से लेते हुए फायर ब्रिगेड ने उक्त मॉल को असुरक्षित घोषित कर दिया है और बिजली-पानी काट दिया है। इस कार्रवाई में मुंबई फायर ब्रिगेड ने महाराष्ट्र अग्नि निवारण और जीवन सुरक्षा उपाय 2006 के तहत जारी 'फायर एक्ट नोटिस' को रद्द करने और मॉल को 'तुरंत असुरक्षित' घोषित कर दिया। साथ ही फायर सेफ्टी सिस्टम को लेकर कोई कार्रवाई नहीं करने पर मॉल प्रबंधन को नया नोटिस जारी किया है। सेफ्टी नॉम्स न मानने वाले मॉल का बिजली कनेक्शन और पानी कनेक्शन काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

## नायगांव में 16 जिंदा कारतूस जब्त... दो गिरफ्तार, 1 फरार

**वसई :** नायगांव पुलिस ने एक गाड़ी से 16 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं. इस मामले में दो को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि तीसरा आरोपी भागने में सफल रहा. नायगांव पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ आईएसएम हथियार लेकर आएंगे. इसके मुताबिक पुलिस ने नायगांव ईस्ट की अंजता बिल्डिंग के सामने जाल बिछाया था. रविवार रात पुलिस ने संदिग्ध वाहन को रोककर जांच की। पुलिस को उस गाड़ी में 16 जिंदा कारतूस मिले हैं. इस मामले में पुलिस ने कल्पेश वैती (26) और नरेश नंदरूकर (21) दोनों को गिरफ्तार कर लिया है. गाड़ी में सवार उनका तीसरा साथी विक्की म्हात्रे फरार हो गया है। सभी आरोपी भिवंडी के रहने वाले हैं और सराय एक अपराधी है. उनमें से एक पर हत्या और हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया है। हमने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. तीसरे आरोपी की तलाश जारी है. नायगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश भामे ने बताया कि पिस्तौल तीसरे आरोपी के पास होने की संभावना है. उन्होंने कहा कि सभी आरोपी सराय में थे और उनके पास से ये कारतूस बरामद होने के कारण उनके खिलाफ शस्त्र अधिनियम की धारा 3, 35 के तहत मामला दर्ज किया गया है. इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों के पास से नकदी, गाड़ी, महंगे मोबाइल फोन समेत कुल 26 लाख रुपये जब्त किए हैं.

# एचडी बीच रिजॉर्ट के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

**वसई :** वसई के एचडी रिसॉर्ट के स्विमिंग पूल में एक बच्चे की मौत के मामले में जांच में रिसॉर्ट मालिकों की लापरवाही सामने आई है। इसलिए, लापरवाही से मौत के आरोप में रिसॉर्ट मालिक रोमन डिमेलो के खिलाफ धारा 304 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। समीक्षा जाधव (7) की बुधवार, 29 मई को वसई के रंगगांव में एचडी बीच रिजॉर्ट के स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई। सुबह भांडुप से महिलाओं का एक समूह इस यात्रा के लिए आया. समिष्का अपनी दादी के साथ आई थीं. सुबह वे रिसॉर्ट में बने स्विमिंग पूल में उतरे थे। दोपहर के भोजन के समय सभी लोग स्विमिंग पूल से बाहर आये और भोजन कक्ष में चले गये। तभी समिष्का खेलते हुए स्विमिंग पूल में चली गई. लेकिन उस समय कोई लाइफगार्ड न होने के कारण समसिका

पानी में डूब गई और उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस जांच में रिसॉर्ट संचालकों की लापरवाही सामने आई।

**...लाइफगार्ड उसे पानी में देख रहा था**

इस रिसॉर्ट में 3 लाइफगार्ड थे. दोपहर के भोजन के समय पर्यटकों के स्विमिंग पूल से चले जाने के बाद लाइफगार्ड चले गए थे। उन्होंने स्विमिंग पूल को कवर नहीं किया था. साथ ही वहां कोई लाइफ गार्ड भी तैनात नहीं था. इसलिए जब समीक्षाएँ कम हुईं, तो किसी ने ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब वह डूबने लगी तो एक लाइफगार्ड ने दूर से उसे देखा। लेकिन वह समझ गया कि लड़की पानी में खेल रही है। लेकिन जब वह डूबने लगी तो वह उसे बचाने पानी में गया. लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी, पुलिस ने कहा। पुलिस ने कहा, अगर स्विमिंग पूल बंद कर दिया गया होता या लाइफगार्ड तैनात किए गए होते तो दुर्घटना नहीं होती। बताया गया है कि अगर लड़की डूब भी जाए तो उसे बचाने की कोई व्यवस्था नहीं है। जब तक लाइफगार्ड पहुंचे, वह मर चुकी थी। स्विमिंग पूल के पास का सीसीटीवी सिर्फ नाम का था. कैमरा तो चल रहा था लेकिन सीन सेव नहीं हो रहा था. इन सभी मामलों के कारण, हमने रिसॉर्ट संचालक रोमन डिमेलो (52) के खिलाफ धारा 304 (ए) के तहत मौत का मामला दर्ज किया है, वसई पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रंजीत अंधाले ने जानकारी दी।

# धानिव बाग में हुई अज्ञात महिला की हत्या की गुत्थी पेल्हार पुलिस ने सुलझा ली...

**वसई:** नालासोपारा के धानिव बाग में हुई अज्ञात महिला की हत्या की गुत्थी पेल्हार पुलिस ने सुलझा ली है. महिला का नाम सिराबानु शाह है और जांच में पता चला कि हत्या अनैतिक संबंध के कारण हुई है. मंगलवार 28 मई को नालासोपारा पूर्व के धानिवबाग में एक पहाड़ी के नीचे अंडाकार में एक महिला का शव मिला था. उसकी धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या की गई थी. लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी. इस मामले में पेल्हार पुलिस की अपराध जांच शाखा ने मृत महिला के पति के भतीजे नजाबुद्दीन सम्मी (21) को दिल्ली से गिरफ्तार किया है. मृत महिला की पहचान सिराबानु शाह (34) के रूप में हुई है। पुलिस के सामने महिला की पहचान और हत्यारे का पता लगाने, दोनों कसौटियों पर काम करने की चुनौती थी. पुलिस को शव के पास इस्तेमाल किया हुआ कंडोम और एक स्ट्रे मिला। इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच ने जांच की. पुलिस ने उस स्ट्रे के बैच से लेकर इलाके की सभी मेडिकल दुकानों में जांच शुरू कर दी. उस समय बताया गया था कि 24 मई शुक्रवार को किसी अज्ञात

व्यक्ति ने यह स्ट्रे ले लिया था. लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सका कि युवक कौन था. इस बीच महिला की पहचान के लिए पुलिस ने तर्क दिया कि पहनावे से वह मुस्लिम थी. उसमें से उन्होंने इलाके की वोटर लिस्ट में मुस्लिम महिलाओं के नाम चेक किए और उनसे खोजना शुरू किया. धानीवबाग के एक मकान में मृत महिला की फोटो लेकर जियाउल शाह पूछताछ के लिए गया। तब पता चला कि मृत महिला जियाउल की पत्नी थी. उन्होंने बताया कि वह पिछले 3 दिनों से लापता थी. पुलिस ने उन्हें मेडिकल दुकान से युवक की सीसीटीवी फुटेज दिखाई। तब उसने बताया कि वह तरूण जियाउल का भतीजा है और दिल्ली गया है। पता चला कि आरोपी नजबुद्दीन दिल्ली भाग गया है। पुलिस की एक टीम तुरंत दिल्ली के लिए रवाना हो गई. पुलिस को जानकारी मिली कि वह एक बेकरी में काम करता है. इसके चलते दिल्ली के अमनविहार इलाके में पुलिस ने करीब डेढ़ सौ बेकर्स को घेर लिया. तभी वह एक बेकरी में काम करता हुआ मिला।

आरोपी नजाबुद्दीन और मृतिका सायराबानू के बीच पिछले दो साल से अनैतिक संबंध थे. लेकिन जब नजाबुद्दीन की शादी हुई तो सायराबानू नाराज हो गईं और उनके बीच विवाद हो गया. इसलिए, पेल्हार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जीतेंद्र वनकोटी ने कहा कि नजाबुद्दीन ने उसकी हत्या की।

# पुणे पोर्शे हादसा: नाबालिग को जमानत देने वाले जज बिना हेलमेट के स्कूटर चलाने पर हुए ट्रोल

पुणे के जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के जज एलएन दानवड़े को बिना हेलमेट पहने स्कूटर चलाने पर सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है. दानवड़े ने पुणे के पोर्शे एक्सीडेंट मामले में आरोपी नाबालिग लड़के को निबंध लिखने की शर्त के साथ जमानत दे दी थी. सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में वे उन्हें घेरकर खड़े पत्रकारों के सवालों का जवाब दिए बिना भागते हुए दिख रहे हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक, पुणे पोर्शे मामले में किशोर न्याय बोर्ड के मेंबर एलएन दानवड़े ने 17 साल के लड़के को जमानत दी थी. उनको दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट न पहनने के लिए सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया.

सोशल मीडिया पर वीडियो पर की गई टिप्पणियों में यूजर्स ने लिखा कि जेजेबी सदस्य ने टू-व्हीलर चलाते समय हेलमेट नहीं पहना था. एक यूजर ने लिखा, ''कोई समस्या नहीं, ट्रैफिक पुलिस उनसे बिना हेलमेट के स्कूटर चलाने के आनंद के बारे में एक निबंध लिखने के लिए कहेंगे.ह्व एक अन्य यूजर ने पुणे पुलिस और पुणे ट्रैफिक पुलिस को टैग करते हुए लिखा, ''मुझे आशा है कि आप इस स्कूटर चालक को बिना हेलमेट में देखकर ट्रैफिक नियमों के अनुसार कार्रवाई करेंगे. कानून के पालन में कोई अंतर नहीं होना चाहिए.ह्व

पुणे में नाबालिग ने नशे में पोर्श कार चलाते हुए दो बाइक सवार आईटी पेशेवरों को टक्कर मार दी थी. उसको बिना किसी सख्त सजा के जमानत देने पर दानवड़े की भारी निंदा की गई थी. बोर्ड ने नाबालिग को ट्रैफिक पुलिस के साथ 15 दिन तक काम करने, हादसों पर एक निबंध लिखने, शराब छोड़ने के लिए उपचार कराने और मनोचिकित्सक से सलाह लेने के लिए कहा था. बाद में बोर्ड ने जमानत का आदेश बदल दिया और लड़के को पांच जून तक निगरानी गृह में भेज दिया था.

# पाकिस्तानी सेना को पहली बार मिली अल्पसंख्यक समुदाय की ब्रिगेडियर, 26 साल बाद प्रमोशन

पाकिस्तानी सेना को पहली बार अल्पसंख्यक समुदाय से ब्रिगेडियर पद पर एक महिला अफसर मिली है। इस उपलब्धि के लिए पीएम शहबाज शरीफ ने महिला अफसर को बधाई दी है।

पाकिस्तान के अखबार में रविवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिगेडियर हेलेन उन पाकिस्तानी सेना अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्हें चयन बोर्ड द्वारा ब्रिगेडियर और पूर्ण कर्नल के रूप में पदोन्नत किया गया।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ब्रिगेडियर के रूप में हेलेन की पदोन्नति पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि पूरे देश को उन पर और अल्पसंख्यक समुदायों से आने वाली उनकी जैसी हजारों मेहनती महिलाओं पर गर्व है, जो देश की सेवा कर रही हैं।

शहबाज शरीफ ने कहा, मैं और पूरा देश ब्रिगेडियर हेलेन मैरी रॉबर्ट्स को पाकिस्तानी सेना में ब्रिगेडियर के पद पर पदोन्नत होने वाली अल्पसंख्यक समुदाय की पहली महिला होने का सम्मान प्राप्त करने पर बधाई देता हूं। पिछले साल रावलपिंडी के क्राइस्ट चर्च में क्रिसमस समारोह के दौरान पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने देश के विकास में अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की थी। ब्रिगेडियर डॉ. हेलेन वरिष्ठ चिकित्सक हैं और पिछले 26 वर्षों से पाकिस्तानी सेना में कार्यरत हैं।

# 3 जून: वो तारीख जब हमेशा के लिए बदल गया भारत का नक्शा, आखिर उस दिन ऐसा क्या हुआ था?

3 जून एक ऐसी तारीख है जिसने भारत के इतिहास और भूगोल दोनों को बदल दिया. 3 जून 1947 यानी आज ही के दिन भारत के दो टुकड़े करने का ऐलान हुआ था. अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत विभाजन का खाका पेश करते हुए ऐलान किया कि बंटवारे के बाद पाकिस्तान नाम से एक अलग मुल्क बनेगा. उनके प्लान को ह्यमाउंटबेटन प्लानह्ल या ह्य3 जून की योजनाह्ल के नाम से भी जाना जाता है.

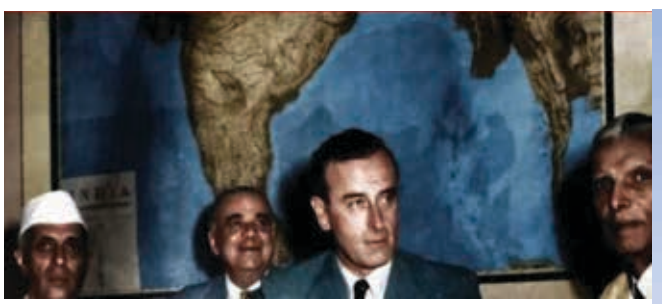

**क्यों पड़ी माउंटबेटन प्लान की जरूरत?**

अंग्रेजी हुकूमत ने फरवरी 1947 में ही भारत को आजादी देने का ऐलान कर दिया. पर आजादी की रूपरेखा क्या होगी, इस पर कोई फैसला नहीं हो पा रहा था. आखिरकार वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को सब तय करने की जिम्मेदारी सौंपी गई. उस वक्त देश के तमाम हिस्सों में दंगे हो रहे थे, मुस्लिम लीग अलग देश की मांग पर अड़ी थी और गांधी का स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा था.

**3 जून को क्या हुआ?**

माउंटबेटन ने महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और पटेल से लेकर कांग्रेस के तमाम नेताओं और जिन्ना जैसे मुस्लिम लीग के नेताओं के साथ कई दौर की बातचीत के बाद एक प्लान तैयार किया. 2 जून 1947 माउंटबेटन ने भारत के प्रमुख नेताओं से उस प्लान पर विस्तार से बात की. 3 जून 1947 को माउंटबेटन जवाहरलाल नेहरू, मोहम्मद अली जिन्ना और सिख समुदाय के प्रतिनिधि बलदेव सिंह के साथ ऑल इंडिया रेडियो पहुंचे और वहां अपनी योजना की सिलसिलेवार जानकारी दी.

**माउंटबेटन प्लान में क्या था?**

ह्यमाउंटबेटन प्लानह्ल के मुताबिक भारत को दो हिस्सों में विभाजित करने के बाद पाकिस्तान के नाम से एक नया देश बनना था. पाकिस्तान के लिए एक नए संविधान सभा का गठन किया जाना था. सबसे प्रमुख प्रावधानों में भारत और पाकिस्तान को डोमिनियन दर्जा देना था, जिसकी तारीख 15 अगस्त 1947 तय की गई थी. इसी प्लान में देशी रियासतों को छूट दी गई थी कि वह चाहें तो भारत में रहें या पाकिस्तान में शामिल हो जाएं. फैसला उन पर छोड़ दिया गया.

इसी प्लान का एक सबसे अहम हिस्सा सेना का बंटवारा था. साथ ही विभाजन के इलाकों को भी मोटे तौर पर तय किया गया. इसके साथ ही दोनों देशों के विधायी अधिकार, गवर्नर जनरल की शक्तियों को भी परिभाषित किया गया था.

**कैसे हुआ सेना का बंटवारा?**

ह्यमाउंटबेटन प्लानह्ल के ऐलान के बाद जुलाई के शुरू में भारतीय सेना के हर अधिकारी को एक फार्म दिया गया. उसमें हर अधिकारी से यह बताने को कहा गया था कि वह भारतीय सेना में काम करेगा या पाकिस्तानी सेना में जाना चाहेगा. इसी तरह बंटवारे के वक्त तय हुआ कि भारत की चल संपत्ति का 80 प्रतिशत भारत को मिलेगा और 20 प्रतिशत पाकिस्तान के हिस्से में जाएगा.

**सवा करोड़ लोग विस्थापित हुए**

बंटवारे में करीब सवा करोड़ लोग इधर से उधर हुए. बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक बंटवारे के बाद जो हिंसा हुई, उसमें करीब 10 लाख लोग मारे गए. हजारों महिलाओं को अगवा कर लिया गया. उनके साथ रेप और जोर जबरदस्ती हुई. बंटवारे को 75 साल से अधिक होने को है, लेकिन आज तक घाव भर नहीं पाया है.

# मुंबई में एयरपोर्ट और ताज होटल को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले एक व्यक्ति को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार

**मुंबई** : मुंबई में एयरपोर्ट और ताज होटल को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले एक व्यक्ति को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

आरोपी की पहचान अरविंद राजपूत के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि धमकी के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने कहा, ''उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है।'' आगे की जांच जारी है। मुंबई पुलिस ने सोमवार को कहा कि उसे एक धमकी भरा कॉल मिला है, जिसमें कॉल करने वाले ने कहा है कि शहर के ताज होटल और छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बम रखे गए हैं।

पुलिस ने परिसर की तलाशी ली, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह घटना मुंबई पुलिस नियंत्रण कक्ष को बम की धमकी वाला कॉल मिलने के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें कॉल करने वाले ने पुलिस को बताया था कि दादर स्थित मैकडॉनल्ड्स में विस्फोट होगा। पुलिस ने कहा कि फोन करने वाले ने उल्लेख किया कि बस में यात्रा करते समय, उसने दो लोगों के बीच बातचीत सुनी जो ''मैकडॉनल्ड्स को उड़ाने'' के बारे में बात कर रहे थे।

पुलिस ने आगे कहा कि उन्हें घटनास्थल पर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने बुधवार को कहा था कि नॉर्थ ब्लॉक में पुलिस कंट्रोल रूम, जिसमें गृह मंत्रालय स्थित है, को बम की धमकी वाला मेल मिला। यह दिल्ली-एनसीआर, जयपुर, उत्तर प्रदेश और बेंगलुरु के कई स्कूलों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिलने के बाद आया है, जिससे दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, स्कूलों को भेजे गए सभी धमकी भरे ईमेल फर्जी निकले।

# मुंबई में पानी का भंडारण सिर्फ 8 फीसदी...

**मुंबईः** मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले सभी सात बांधों में जल भंडारण तेजी से घट रहा है और रविवार को जल भंडारण 8 प्रतिशत से भी कम था. राज्य सरकार ने भाटसा और उर्धवा वैत्रणा बांधों में भंडार के उपयोग की अनुमति दे दी है। इनमें उर्धवा वैतरणा बांध के रिजर्व स्टॉक का उपयोग शुरू हो गया है और भातसा बांध में मात्र साढ़े तीन फीसदी पानी है और इस बांध के रिजर्व स्टॉक का भी कुछ दिनों में उपयोग होने वाला है. इसलिए अब मुंबईकर पानी के लिए रिजर्व पर ही निर्भर रह रहे हैं।

गर्मी बढ़ती जा रही है और हर कोई बारिश का इंतजार कर रहा है. चूंकि बांध में पानी का भंडारण कम हो रहा है, इसलिए नगर निगम तंत्र भी बारिश के आगमन पर ध्यान दे रहा है. मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले उर्धवा वैत्राणा, मोदक सागर, तानसा, मध्य वैत्राण, भाटसा, विहार, तुलसी जैसे सभी सात बांधों में जल भंडारण वर्तमान में घटकर केवल 7.59 प्रतिशत रह गया है। यह जल भंडारण पिछले तीन वर्षों में सबसे कम है. मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले सभी सात बांधों में कुल 1 लाख 9 हजार 890 मिलियन लीटर या 7.59 प्रतिशत जल भंडारण है। पिछले वर्ष 2023 में 2 जून को जल संग्रहण 12.28 प्रतिशत था जबकि पिछले वर्ष जल संग्रहण 17.03 प्रतिशत था।

मुंबई को प्रतिदिन 3800 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जाती है। नगर पालिका की योजना के मुताबिक एक फीसदी पानी से मुंबईकरों की तीन दिन की मांग पूरी हो जाती है. इसका मतलब है कि प्रति माह लगभग 12 से 13 प्रतिशत पानी का उपयोग किया जाता है। हालाँकि, सूरज की गर्मी बढ़ने लगी है और गर्मी के कारण बड़ी मात्रा में पानी वाष्पित हो जाता है। इसके अलावा, जून में बारिश भी अच्छी तरह से शुरू नहीं होती है। इसलिए बांध में जुलाई माह तक पानी की आपूर्ति की जानी है. लेकिन इस वर्ष जल भंडार तेजी से कम हुआ है और भंडार के उपयोग का समय आ गया है। साथ ही राज्य सरकार ने मुंबई नगर निगम को रिजर्व स्टॉक का उपयोग करने की अनुमति भी दे दी है. तदनुसार, भाटसा बांध से 1 लाख 37 हजार मिलियन लीटर पानी छोड़ा गया है और उर्धवा वैत्रणा बांध से 91,130 मिलियन लीटर आरक्षित पानी छोड़ा गया है। यह पानी जुलाई के अंत तक सप्लाई करना है.

चूंकि बांधों में पानी कम है, इसलिए इस साल अब तक रिजर्व का उपयोग करने का समय नहीं आया है। हालाँकि, उर्धवा वैतरणा बांध में जल भंडारण शून्य पर पहुंच गया है और नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि इस बांध में आरक्षित भंडारण का उपयोग शुरू हो गया है। जबकि शहर को सर्वाधिक 1850 मिलियन लीटर पानी की दैनिक आपूर्ति करने वाले भटसा बांध में केवल 3.33 प्रतिशत जल भंडारण है।

### बुधवार से 10 फीसदी पानी की कटौती

**बांधों में जल भंडारण में कमी के कारण, एहतियात के तौर पर मुंबई में 30 मई से 5 प्रतिशत पानी की कटौती लागू की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस भंडारण का उपयोग लंबे समय तक किया जा सके। बृहन्मुंबई नगर निगम प्रशासन ने बुधवार, 5 जून से 10 प्रतिशत पानी कटौती लागू करने का निर्णय लिया है। यह 5 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की कटौती मुंबई नगर निगम द्वारा ठाणे, भिवंडी-निजामपुर नगर निगम और अन्य गांवों को आपूर्ति किए जाने वाले पानी पर भी लागू है। नगर निगम प्रशासन ने अपील की है कि सभी नागरिक पानी का संयम से उपयोग करें।**

### किस बांध में कितना प्रतिशत पानी?

**ऊर्ध्व वैतरणा........000**
**मोदक सागर....15.57 प्रतिशत**
**तानसा ....26.12 प्रतिशत**
**माध्य वितरण.. 10.43 प्रतिशत**
**भत्सा ....3.33 प्रतिशत**
**विहार ....20.16 प्रतिशत**
**तुलसी ...28.7 प्रतिशत**

## नवी मुंबई, ठाणे क्षेत्र में प्री-मानसून बारिश

**मुंबईः** नवी मुंबई के ठाणे के खारघर, कामोठे इलाकों में बारिश हुई और इसके कारण वातावरण में ओस छा गई और निवासियों को थोड़ी राहत मिली. इस बीच मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि सोमवार से राज्य में प्री-मानसून बारिश होगी.

नवी मुंबई के खारघर, कामोठे इलाके में सोमवार रात 12 बजे बारिश हुई. दोपहर 12.30 बजे के बाद ठाणे में भी बारिश शुरू हो गई. इसके साथ ही पश्चिमी उपनगरों के पवई, सांताक्रूज, बोरीवली इलाकों में भी बादल छाए रहे. इस बीच मौसम विभाग ने सोमवार से राज्य के कुछ हिस्सों में प्री-मानसून बारिश की संभावना जताई है.

## तेज रफ्तार कार ने कई बाइकों को रौंदा... हवा में उछले लोग

**कोल्हापुरः** महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के साइबर चौक पर भीषण कार हादसा सामने आया है। एक तेज रफ़्तार चार पहिया वाहन ने 3 दोपहिया वाहनों पर सवार 7 लोगों को टक्कर रौंद दिया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं 6 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। इसमें कार चकनाचूर हो गई है और इलाके में शीशे और टूटे हुए दोपहिया वाहन बिखरे पड़े हैं। इस बीच इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है और इसमें दिख रहा है कि तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने तीन दोपहिया वाहनों को उड़ा दिया। वहीं गंभीर रूप से घायलों को कोल्हापुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है।

मौके से मिली जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब 2:30 बजे कोल्हापुर के साइबर चौक पर भीषण हादसा हुआ। शिवाजी विश्वविद्यालय से साइबर चौक आने वाली सड़क पर चार पहिया सेंट्रो कार के चालक वसंत चव्हाण (72) ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। यह चार पहिया वाहन तेज गति से साइबर चौक में घुसा और सामने तीन दो पहिया वाहन सवारों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार कई फीट दूर जा गिरे। तभी चारों पहिए आगे जाकर खंभे से टकराकर पलट गए।

इसमें कार चालक समेत हर्षद पाटिल और प्रदीप पाटिल नाम के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। धनाजी शंकर कोली, शुभांगी धनाजी कोली, समर्थ पंकज पाटिल, जयराज पाटिल, प्रथमेश पाटिल, मयूर खोत नामक छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं और उनका सीपीआर अस्पताल और निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस हादसे में कार के ड्राइवर वसंत चव्हाण शिवाजी यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति थे और 72 साल के थे। इलाज के दौरान एक निजी अस्पताल में उनकी मौत हो गई।

दौलत नगर में रहने वाले हर्षद सचिन पाटिल, प्रथमेश सचिन पाटिल और जयराज पाटिल राजाराम झील में तैरने गए थे। हर्षद पाटिल अभी 10वीं क्लास में पढ़ रहा था।

# रक्षा प्रतिष्ठानों से 500 मीटर तक निर्माण पर रोक बरकरार, सुप्रीम कोर्ट ने भी लगाई मुहर

**मुंबईः** एक बार फिर यह साफ हो गया है कि रक्षा प्रतिष्ठानों से 500 मीटर तक निर्माण पर प्रतिबंध बरकरार है। हालांकि केंद्रीय आयुध डिपो ने एक पत्र जारी कर कांदिवली पूर्व में एक प्रमुख आवासीय परियोजना पर तत्काल काम रोकने का आदेश जारी किया है, लेकिन रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की सभी आवास परियोजनाओं को अब कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। नगर निगम, म्हाडा के साथ-साथ स्लम पुनर्वास प्राधिकरण ने भी इस पत्र का संज्ञान लिया है और अपने अधिकार क्षेत्र के तहत आवास परियोजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। जल्द ही इन हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के लिए काम रोकने का नोटिस जारी किया जाएगा। इसलिए एक बार फिर रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की इमारतों का पुनर्विकास रोक दिया जाएगा।

रक्षा प्रतिष्ठानों के 100 मीटर के भीतर कोई भी निर्माण निषिद्ध है और 100 से 500 मीटर के भीतर केवल चार मंजिलों की अनुमति है। लेकिन उसके लिए रक्षा प्रतिष्ठान के अनिवार्य 'अनापत्ति प्रमाणपत्र' के संबंध में 18 मई, 2011 को जारी रक्षा मंत्रालय का परिपत्र लागू होता है। फिर 21 अक्टूबर 2016 को रक्षा मंत्रालय ने एक सर्कुलर जारी कर सीमा को 10 मीटर कर दिया. हालाँकि, चूंकि यह सर्कुलर अंतिम नहीं है, इसलिए इस पत्र में फिर से स्पष्ट किया गया है कि 2011 का सर्कुलर लागू है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया गया है.

रक्षा प्रतिष्ठानों के 500 मीटर के दायरे में भवन निर्माण के लिए 'अनापत्ति प्रमाणपत्र' की आवश्यकता वाले 18 मई, 2011 के परिपत्र ने क्षेत्र में पुरानी इमारतों के पुनर्विकास को रोक दिया था। बीजेपी सांसद गोपाल शेट्टी द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बाद इस सीमा को 10 मीटर तक लाया गया. तदनुसार, सरकार ने एक परिपत्र जारी किया और कार्यवाही शुरू की। इससे सैकड़ों पुरानी इमारतों के पुनर्विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसके अलावा, उच्च न्यायालय ने एक नौसैनिक प्रतिष्ठान के निकट एक इमारत के पुनर्विकास में रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी मई 2011 और मई 2015 के परिपत्रों को रद्द कर दिया था। इसलिए, राज्य सरकार ने यह रुख अपनाया था कि रक्षा प्रतिष्ठानों के निकट निर्माण की अनुमति देने में कोई आपत्ति नहीं है। तदनुसार, कई आवास परियोजनाओं को संबंधित योजना अधिकारियों द्वारा अनुमति दी गई थी। हालाँकि, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के प्रासंगिक आदेश में संशोधन किया और 18 मई 2011 के परिपत्र को बरकरार रखा, रक्षा प्रतिष्ठानों के निकट निर्माण पर प्रतिबंध यथावत बना हुआ है।

## चुनाव परिणाम के दिन भी रेल यात्रियों की दुर्दशा... यात्री स्थानीय समस्याओं से जूझ रहे हैं

**मुंबईः** रेलवे बाधित होने से यात्रियों को परेशानी हो रही है. मध्य रेलवे पर पराल में अप एक्सप्रेस लाइन पर सिग्नल मंगलवार सुबह करीब 4.30 बजे बाधित हो गया। इससे सीएसएमटी की ओर जाने वाले स्थानीय लोगों को परेशानी हुई। नतीजा यह हुआ कि सुबह से ही स्थानीय गड़बड़ी के कारण कर्मचारियों को कार्यालय पहुंचने में देर हो गयी.

मध्य रेलवे पर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और ठाणे स्टेशनों पर आवश्यक बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए ठाणे में प्लेटफॉर्म नंबर 5-6 को चौड़ा करने और सीएसएमटी में प्लेटफॉर्म नंबर 10-11 को नॉन-इंटरलॉकिंग करने का काम चल रहा है। इसलिए ठाणे में 63 घंटे और सीएसएमटी पर 36 घंटे का ब्लॉक लिया गया। मध्य रेलवे ने इस ब्लॉक अवधि के दौरान निर्धारित कार्यों को पूरा करके अपनी पीठ थपथपाई। लेकिन, अगले ही दिन सोमवार को सुबह से ही सीएसएमटी स्टेशन पर नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में तकनीकी खराबी आ गई। साथ ही कोपर और दिवा के बीच सिग्नल सिस्टम भी फेल हो गया. इससे लोकल का शेड्यूल ध्वस्त हो गया.

लोकल की स्पीड बहुत कम होने के कारण स्थानीय लोग एक के पीछे एक खड़े थे। इस बीच, मंगलवार सुबह 4.30 बजे परल में लोकल सेवा बाधित हो गई। लोकल के आगे नहीं बढ़ने से परेशान यात्री ट्रैक से उतरकर पैदल ही निकल पड़े। मुख्य मार्ग पर लोकल करीब 30 से 35 मिनट की देरी से चल रही थीं। इससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. मध्य रेलवे प्रशासन ने कहा, मध्य रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी, तकनीकी विशेषज्ञ मौके पर समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं।

# 313 बिलियन डॉलर हो सकता है भारत का शिक्षा और स्किल का बाजार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत में शिक्षण और स्किल क्षेत्र से जुड़े बाजार में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अनुमान है कि साल 2030 में यह 313 बिलियन डॉलर का हो सकता है। साल 2020 में यह 180 बिलियन डॉलर का था। यह अनुमान कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब यानी सीईएल की तरफ से आया है। इसका कहना है कि शिक्षा और स्किल से जुड़ा क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है इसलिए इसमें दोगुने बढ़त की उम्मीद है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में निवेश भी बढ़ेगा।

सीईएल का कहना है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में बदलाव की जरूरत है। इसलिए इस समय विदेशों से भी एक्सपर्ट भारत आ रहे हैं। खुद सीईएल ने भी भारतीय शिक्षा में योगदान करते हुए इस विकास का लाभ उठाने की योजना बनाई है। सीईएल के संस्थापक सुयश भट्ट का कहना है कि सीईएल ने भारत के साथ यूके, फिनलैंड, इंडोनेशिया और एस्टोनिया में कई शिक्षा सम्मेलन आयोजित किए हैं। और अब स्कूल लीडरों, शिक्षकों और छात्रों के लिए कई किफायती शिक्षा कार्यक्रम विकसित करने पर विचार कर रहा है। सीईएल प्रोग्राम ने जम्मू और कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक भारत के कई राज्यों के 60 से अधिक स्कूलों और 1,00,000 से अधिक छात्रों को सीधे तौर पर प्रभावित किया है।

## छोटे शहरों में भी विस्तार

कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब ने अब रणनीति बदल दी है। कभी बड़े शहरों पर फोकस करने वाली कंपनी ने अब देश के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों तक पहुंचने की योजना बनाई है। इसके लिए सीईएल ने देश के स्कूलों के साथ समझौते करने शुरू कर दिए हैं। कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब ने अब 9वीं से 12वीं कक्षा के भारतीय छात्रों के लिए एप्टीट्यूड टेस्ट शुरू किया है, जो खास तौर पर टियर 2 और टियर 3 शहरों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को कैम्ब्रिज की एक सप्ताह की एक्सप्लोरेशन ट्रिप के लिए पूरा फंड दिया जाएगा, जिसका उद्देश्य छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना है।

## बढ़ेगा निवेश

सुयश भट्ट का कहना है कि जैसे-जैसे शिक्षा और स्किल सेक्टर का बाजार बढ़ेगा, इस क्षेत्र में निवेश भी बढ़ेगा। उन्होंने कैम्ब्रिज का उदाहरण देते हुए बताया कि यह कंपनी हर साल भारत में निवेश बढ़ा रही है। उनका कहना है कि उन्होंने पिछले साल भारत के 25-30 स्कूलों को आमंत्रित किया था। जबकि 30 स्कूल ऑनलाइन जुड़े थे।

# इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख को वित्त वर्ष 24 में मिले 66 करोड़, पिछले साल से 17 प्रतिशत बढ़ा वेतन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंफोसिस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलिल पारेख का सालाना वेतन वित्तीय वर्ष 2024 में 17.3 प्रतिशत बढ़कर 66.2 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। पारेख ने वित्त वर्ष 23 में 56.4 करोड़ का वेतन प्राप्त किया था। पिछले वित्तीय वर्ष में उनका सालाना वेतन वित्तीय वर्ष 2022 की सैलरी 71.02 करोड़ रुपये के मुकाबले घटकर 56.4 करोड़ रुपये रह गई थी। पारेख के पारिश्रमिक में फिक्स्ड पे, वेरिएबल पे, रिटायरल बेनिफिट्स और इस अवधि के दौरान स्टॉक इंसेंटिव मूल्य शामिल है। पारेख का कुल फिक्स्ड वेतन वित्तीय वर्ष 2023 में 7.12 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में 7.47 करोड़ हो गया। उन्हें वित्त वर्ष 23 के 18.73 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 24 में 19.75 करोड़ रुपये बोनस के रूप में दिए गए।

वित्त वर्ष 24 के लिए पारेख के वेतन में 2,58,636 ऋ (प्रतिबंधित स्टॉक यूनिट) के जरिए जुटाए गए 39.03 करोड़ रुपये भी शामिल थे। इसके विपरीत, वित्त वर्ष 23 के दौरान, पारेख के पारिश्रमिक में आरएसयू के जरिए 30.60 करोड़ रुपये जोड़े गए थे। इस बीच, कर्मचारियों का औसत वेतन क्रमशः वित्त वर्ष 2024 और वित्तीय 2023 में 9,77,868 रुपये और 9,00,012 रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2023 की तुलना में वित्तीय 2024 में एमआरई में वृद्धि 8.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर, इन्फोसिस के गैर-कार्यकारी चेयरमैन नंदन एम. नीलेकणि ने स्वेच्छा से कंपनी को दी गई अपनी सेवाओं के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं लेने का फैसला किया।

# राधाकिशन दमानी ने टाटा के मल्टीबैगर स्टॉक में घटाई हिस्सेदारी, 1 साल में पैसा डबल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बीते कुछ सालों में टाटा ग्रुप की कई कंपनियों ने शेयर बाजारों में शानदार रिटर्न दिया है। इन कंपनियों की लिस्ट में ट्रेंड भी शामिल है। महज एक साल में ही टाटा के इस स्टॉक ने 190 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, बीते 5 साल की बात करें तो ट्रेंड के पोजीशनल निवेशकों को 1000 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी ने इस कंपनी में हिस्सेदारी घटाई है। टाटा ग्रुप के इस स्टॉक ने अपने शानदार प्रदर्शन से कई दिग्गज निवेशकों और इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स को आकर्षित किया है। इन्स्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स में एक्सिस म्युचुअल फंड, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस आदि शामिल हैं। दिग्गज निवेशकों की बात करें तो राधाकिशन दमानी ने भी इस कंपनी में निवेश किया है। उनकी कंपनी में कुल हिस्सेदारी 1.35 प्रतिशत की है। राधाकिशन दमानी ने डेरिवेटिव ट्रेडिंड एंड रिसॉर्ट प्राइवेट लिमिटेड के जरिए टाटा ग्रुप के इस स्टॉक में निवेश किया है। हालांकि उन्होंने अपनी हिस्सेदारी टाटा की कंपनी में घटाई है।

ट्रेंड की शेयर होल्डिंग के अनुसार 31 मार्च 2024 तक राधाकिशन दमानी की कुल हिस्सेदारी घटकर 1.35 प्रतिशत रह गई थी। जबकि एक क्वार्टर पहले उनकी हिस्सेदारी 1.52 प्रतिशत थी। दिसंबर से मार्च के दौरान राधाकिशन दमानी ने ट्रेंड के 6,13,724 शेयर बेच दिए हैं। यानी उन्होंने 0.17 प्रतिशत हिस्सेदारी घटाई है। बीते 5 साल के दौरान ट्रेंड के शेयरों का भाव 403.50 रुपये से 4680 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। वहीं, साल 2024 में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 55 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, स्टॉक का भाव इस साल 3000 रुपये के लेवल से बढ़कर 4680 रुपये के लेवल तक पहुंच गया।

# कंपनियां नहीं कर पाएंगी 100 प्रतिशत फ्रूट जूस का दावा, एफएसएसएआई ने जारी किया फरमान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** असली फ्रूट जूस के नाम पर कई तरह के प्रोडक्ट बेच रहीं कंपनियों को झटका लगा है। फूड सेफ्टी रेगुलेटर एफएसएसएआई ने सभी कंपनियों को निर्देश दिया है कि वह डिब्बाबंद प्रोडक्ट पर 100 फीसदी फ्रूट जूस (100 प्रतिशत) का दावा न करें। कंपनियों को अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग और विज्ञापन के दौरान भी ऐसे क्लेम से बचना होगा। एफएसएसएआई ने सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर्स से इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने को कहा है।

एफएसएसएआई ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि फूड बिजनेस से जुड़ी सभी कंपनियों फलों के जूस के डिब्बे पर लगे लेबल और विज्ञापन में से यह दावा हटाना होगा। एफएसएसएआई को जानकारी प्राप्त हुई थी कि कई कंपनियां लगातार ऐसे भ्रामक दावे कर रही हैं। इससे कस्टमर्स के स्वास्थ्य को हानि पहुंचती है। सभी एफबीओ को निर्देश दिया गया है कि वह पहले से छाप चुकी पैकेजिंग सामग्री को 1 सितंबर, 2024 से पहले खत्म कर लें।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (विज्ञापन और दावे) रेगुलेशन- 2018 के अनुसार, कोई भी कंपनी 100 फीसदी फ्रूट जूस का दावा नहीं कर सकती है। इन सभी जूस में सबसे ज्यादा मात्रा में पानी होता है। इसमें थोड़ी मात्रा में फ्रूट जूस या पल्प मिला देने से यह 100 फीसदी जूस नहीं हो जाता है। एफएसएसएआई के अनुसार, ऐसे गुमराह करने वाले दावों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए।

## ज्यादा शुगर होने पर अपने प्रोडक्ट को स्वीट जूस बताना होगा

सभी एफबीओ से कहा गया है कि वह फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स रेगुलेशन के नियमों के दायरे में काम करें, यदि उनके जूस में 15 ग्राम प्रति किलो से ज्यादा शुगर है तो उन्हें अपने प्रोडक्ट को स्वीट जूस के हिसाब से लेबल करना होगा। एफएसएसएआई ने कहा कि वह लगातार फूड सेफ्टी के नियमों को मजबूती से लागू करने का प्रयास करती है। हम किसी भी कंपनी को भ्रामक दावे करके कस्टमर्स को नुकसान नहीं पहुंचाने देंगे। सभी कंपनियों को फलों के जूस के संबंध में बनाए गए नियमों का पालन करना होगा।

# जयप्रकाश एसोसिएट्स पर शुरू होगी दिवालिया प्रक्रिया, कंपनी को लगा झटका

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जयप्रकाश एसोसिएट्स को बड़ा झटका लगा है। आईसीआईसीआई बैंक की ओर से करीब 6 साल पहले दायर एक याचिका के बाद अदालत ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) को दिवालिया प्रक्रिया के लिए मंजूरी दे दी है। कर्ज संकट में फंसी जयप्रकाश एसोसिएट्स के खिलाफ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी दी है। जेपी ग्रुप की प्रमुख कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स कंस्ट्रक्शन, सीमेंट और हॉस्पिटेलिटी बिजनेस में काम करती है। कंपनी करीब 3 हजार करोड़ रुपये का भुगतान करने में विफल रही थी। इसके बाद बैंक ने ट्रिब्यूनल का रुख किया था। बता दें कि जेपी ग्रुप की प्रमुख कंपनी जेएएल ने अपना कर्ज का बोझ कर करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में अपने कई सीमेंट प्लांट्स को बेच दिया है।

## बकाया चुकाने में विफल

कंपनी अपना बकाया चुकाने में असफल रही है। इस घटनाक्रम से कंपनी के डालमिया भारत समूह के साथ सौदा करने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न होने की संभावना है, जिसके तहत डालमिया भारत समूह द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स की सीमेंट, क्लिंकर और बिजली इकाइयों को 5,666 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर अधिग्रहित किया जाना था। यह जेपी समूह की प्रमुख कंपनी है, जिसके पास सीमेंट, आतिथ्य, रियल एस्टेट, उर्वरक और निर्माण व्यवसाय शामिल हैं। वित्त वर्ष 2023 में जेपी इंफ्राटेक के ऋण का 62 फीसदी या 9,234 करोड़ रुपये का अधिग्रहण किया, जिससे ऋणदाताओं को निर्विरोध स्विस चुनौती नीलामी के बाद 39 प्रतिशत वसूली की पेशकश की गई।

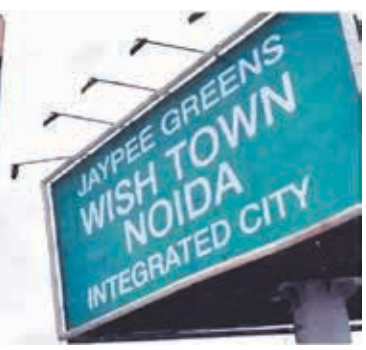


## पहले स्वीकार नहीं हुई थी याचिका

आईसीआईसीआई और एसबीआई बैंक ने 2018 में एनसीएलटी में याचिका लगाई था लेकिन तब लेकर अब तक इनकी याचिका स्वीकार नहीं हुई थी। अब सोमवार को एनसीएलटी ने स्वीकार कर लिया है जिसके चलते अब जेपी एसोसिएट्स की दिवालिया प्रक्रिया शुरु हो गई है। अब जेपी एसोसिएट्स के काम आईआरपी (इंट्रिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल) की निगरानी होंगे।

## बायर्स की भी बढ़ी टेंशन

जेपी ग्रुप की मदर कंपनी जेपी एसोसिएट्स के दिवालिया प्रक्रिया में जाने में जेपी इंफ्राटेक में फंसे 22 हजार बायर्स की विलंब शुल्क की देनदारी भी फंस सकती है। 2013 तक फ्लैट देने की डेडलाइन पूरी न होने पर बायर्स ने यह शुल्क कंपनी से मांगा था जिसे कोर्ट ने मदर कंपनी यानि जेपी असोसिएट्स की ओर से दिए जाने का आदेश दिया था। 22 हजार बायर्स का करीब 6-7 हजार करोड़ का विलंब शुल्क जेपी असोसिएट्स पर बनता है। अधिकांश बायर्स का 2-6 लाख तक का विलंब शुल्क मदर कंपनी को देना था। क्योंकि अलॉटमेंट लेटर बायर्स को जेपी असोसिएट्स की ओर से दिए गए थे और बायर्स का पैसा जेपी इंफ्राटेक में लिया गया था। इस कंपनी के दिवालिया में जाने से हम जेपी इंफ्राटेक में फंसे बायर्स की भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

# कब्ज, मोटापा, मधुमेह, गठिया आदि रोगों में लाभकारी है मेथी

**भोजन** का स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए मेथी का प्रयोग प्रायः हर घर में किया जाता है। मेथी को सब्जी तथा इसके दानों को मसाले के रूप में हमारे भोजन में प्रयोग किया जाता है। लगभग हर प्रदेश में मेथी की खेती की जाती है। इसका पौधा एक से दो फुट लम्बा होता है जिसमें जनवरी से मार्च के महीनों में फूल लगते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार मेथी की पत्तियों में 9.8 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 4.9 प्रतिशत प्रोटीन, 81.8 प्रतिशत पानी, 1.6 प्रतिशत खनिज पदार्थ, 1.0 प्रतिशत फाइबर (रेशे), 0.9 प्रतिशत वसा तथा लोहा 16.19 मिलीग्राम प्रति सौ ग्राम में पाए जाते हैं। मेथी दानों में 25 प्रतिशत फास्फोरिक एसिड, गोंद, लेसीथिन, प्रोटीन, कोलाइन तथा ट्राइगोनेलिन एल्केहालइड्स पाए जाते हैं। मेथी के सूखे पचांग में प्रोटीन की मात्रा लगभग 16 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त मेथी में अनेक लाभकारी एंजाइम भी पाए जाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार मेथी की तासीर गर्म, उसका स्वाद कड़वा तथा गुण में वह भारी होती है। यह वात, कफ, ज्वर तथा दाह नाशक होती है। यह कृमि, भूख न लगना, कब्ज, मोटापा, मधुमेह, गठिया आदि रोगों में लाभकारी है। स्तर तथा जनन पीड़ा, रक्तातिसार, जलने, गठिया, दुर्बल काम शक्ति के उपचार मेथी का प्रयोग किया जाता है। इसमें गर्भाशय संकोचन का गुण भी होता है।

मेथी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती है। पाचन तंत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए मेथी बहुत अच्छा उपाय है। मेथी अपच, गैस व पेटदर्द दूर करने में सहायक है। पेट के छालों को दूर करने के लिए मेथी के काढ़े का नियमित रूप से प्रयोग किया जाना चाहिए। यह एसिडिटी तो दूर करती ही है साथ ही एपेन्डिक्स में एकत्रित गंदगी को भी दूर करती है।

कब्ज के निदान के लिए सुबह-शाम भोजन में मेथी की सब्जी खानी चाहिए और रात को सोते समय एक चम्मच साबुत दाने पानी के साथ निगलने चाहिए। आमातिसार के इलाज के लिए रोगी को मेथी के पत्ते घी में तलकर खाने दें। साथ ही चार चम्मच मेथी के रस को मिस्री की एक चम्मच मात्रा में मिलाकर रोगी को पीने दें इससे शीघ्र लाभ होता है।

मेथी के पत्तों के अर्क से गरारे करने से मुंह के छाले ठीक होते हैं। मेथी के पानी को दांतों पर रगड़ने से दांत मजबूत होते हैं तथा दंत क्षय नहीं होता। मेथी दानों के काढ़े से दिन में तीन-चार बार गरारे करने से गले की सूजन, दर्द तथा टान्सिल्स की परेशानी दूर होती है। मेथी की सब्जी के सेवन से खून की कमी की शिकायत दूर होती है। पेचिस, पथरी, रक्तचाप, बहुमूत्र, तथा मानसिक तनाव को दूर करने के लिए, मेथी का काढ़ा तथा मेथी का चूर्ण बहुत लाभदायक है महिलाओं में प्रदर की शिकायत होने पर भी मेथी का प्रयोग किया जाता है। किसी प्रकार की अंदरूनी चोट के दर्द को दूर करने के लिए प्रभावित अंग पर मेथी के पत्तों को पीसकर लेप लगाना चाहिए। इससे सूजन भी दूर होती है। मेथी के दानों के चूर्ण एक चम्मच सुबह-शाम नियमित रूप से लेने से घुटने, जोड़ों, आमवात, लकवा तथा गठिया में आराम मिलता है। मेथी दानों के लड्डू बनाकर तीन हफ्ते तक सुबह-शाम खाने से कमर दर्द में आराम मिलता है साथ ही प्रभावित स्थान पर मेथी के तेल की मालिश भी की जानी चाहिए। सर्दी-जुकाम के कष्टों को दूर करने में भी मेथी बहुत सहायक होती है इसके लिए सुबह-शाम मेथी की सब्जी के सेवन के साथ-साथ मेथी के एक चम्मच दाने गर्म दूध के साथ खाने चाहिए। रात को सोते समय मेथी दानों का लेप बालों में लागने से बालों के रोग दूर होते हैं तथा उनकी जड़ें मजबूत होती हैं। जलन या दाह को शांत करने के लिए मेथी के पत्तों का रस चार चम्मच, दिन में लगभग तीन बार रोगी को दिया जाना चाहिए साथ ही मेथी के पत्तों का पेस्ट भी लगाना चाहिए।

स्तनपान कराने वाली माताओं को मेथी के लड्डू या मेथी की सब्जी अथवा मेथी के दानों के चूर्ण का नियमित रूप से सुबह-शाम प्रयोग करना चाहिए इससे दुग्ध स्राव में वृद्धि होती है। वे महिलाएं जिनके स्तन अविकसित रह गए हों उनके लिए भी यह प्रयोग लाभदायक है। प्रसव के दौरान होने वाले कष्टों को दूर करने में भी यह सहायक होती है। प्रजनन के बाद अंगों की शिथिलता दूर करने के लिए भी मेथी का प्रयोग किया जाता है। मेथी में खून और पेशाब में ग्लूकोज की मात्रा को कम करने का विशेष गुण होता है, इसी कारण मधुमेह के उपचार में मेथी का बहुत महत्व है। मधुमेह के रोगियों को रोजाना दो चम्मच मेथी दानों का चूर्ण दूध में मिलाकर लेना चाहिए। यदि संभव हो तो दो चम्मच मेथी के दानों को पानी के साथ ही निगल लेना चाहिए। जामुन के सूखे बीजों में मेथी मिलाकर पीसने और रात को सोने से पहले इस मिश्रण की एक चम्मच मात्रा के सेवन से भी शरीर में शर्करा का स्तर नियंत्रित रहता है। इससे शरीर में कोलेस्ट्रोल की मात्रा भी नियंत्रित रहती है।

ट्रस्मेथाइमिलमिन नामक तत्व मेथी में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है इस कारण यह शाकाहारियों के लिए मछली के तेल का सर्वोत्तम विकल्प है। मेथी में पाया जाने वाला लैसीथीन नामक तत्व दिमागी कमजोरी को दूर करता है। पानी में पीसकर बने मेथी दाने के पेस्ट को जले हुए स्थान पर लगाने से दर्द व जलन से राहत मिलती है और घाव जल्दी ठीक होता है। ऐसा दिन में लगभग तीन बार करना चाहिए। भूख न लगने, बहुमूत्र, साइटिका, दमा पेट तथा मांसपेशियों के दर्द के लिए रोजाना, मेथी दाने की एक चम्मच मात्रा, दिन में तीन बार लेने से लाभ होता है। मेथी और हमारे स्वास्थ्य का सीधा संबंध है इसलिए मेथी को हमें अपने भोजन में जरूर शामिल करना चाहिए।

व्यंग्य

# ऐसे कैसे भ्रष्टाचार मिटा देंगे...

**आजकल** शादी-विवाह का सीजन है। देवोत्थान एकादशी कुछ दिन पहले ही थी। चार महीने बाद गहरी नींद से देवता जगे और बाकी सारे काम छोड़कर शादियों में व्यस्त हो गये। मेरी रिश्तेदारी में भी दो शादियां थीं। उन्हें निबटाकर लौटा, तो एक दिन सामान व्यवस्थित करने में लगा। इसके बाद अपने मित्रों से मिलने की सुध आयी। सबसे पहले मेरे मन में शर्मा जी का नाम आया। इतने दिन से उनसे न भेंट हुई और न ही फोन। मैं ये सोच ही रहा था कि उनके घर से फोन आ गया। भाभी जी मुझे जल्दी वहां आने को कह रही थीं। मैं वहां गया, तो माहौल बड़ा उदासी भरा था। ऐसा लग रहा था, मानो शर्मा जी 'उदासीन सम्प्रदाय' में शामिल हो गये हों। वे अपनी कुर्सी पर ऐसे बैठे थे, जैसे तथागत बुद्ध समाधि अवस्था में विराजे हों।

मैंने शर्मा जी को हिलाया-डुलाया, तो उन्होंने आंखें खोलकर फिर बंद कर लीं। भाभी जी ने बताया कि सुबह से इनका यही हाल है। न जाने क्या खबर पढ़ी है कि मुंह पर ताला जैसा लग गया है। मैंने उनके सामने रखा अखबार देखा, तो उसमें 'नीति आयोग' के मुखिया का वक्तव्य बड़े-बड़े अक्षरों में छपा था कि 2022 तक भारत भ्रष्टाचार मुक्त हो जाएगा। शर्मा जी ने उसे मोटे पेन से गोलाकार घेर दिया था। मैं उनकी उदासी का कारण समझ गया।

मैंने शर्मा जी के कान में मुंह लगाकर जोर से कहा कि शर्मा जी, उठिये। बुरा दौर बीत गया है। आपके अच्छे दिन फिर शुरू होने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने नीति आयोग को उसकी गलत नीतियों के कारण भंग कर दिया है। इतना सुनते ही शर्मा जी की आंखें खुल गयीं। मैंने भाभी जी को दो कप कड़क चाय लाने को कहा। चाय पीकर शर्मा जी की चेतना लौट आयी।

- वर्मा, क्या सचमुच मोदी ने नीति आयोग को भंग कर दिया है ?

- कैसी बात कर रहे हैं शर्मा जी, मोदी ने तो योजना आयोग को समाप्त कर अपने पिछले कार्यकाल में नीति आयोग बनाया है। वे अपनी बनायी हुई संस्था को कैसे भंग कर सकते हैं ?

- लेकिन ये बात तो तुमने ही कही थी कि..?

- ये तो आपकी उदासी तोड़ने के लिए फेंकी गयी एक 'गुगली' थी शर्मा जी।

- यानि तुमने झूठ बोला? तुम्हें पाप लगेगा वर्मा।

- शर्मा जी, दूसरों के हित के लिए बोले गये झूठ से पाप नहीं लगता; लेकिन आप ये बताइये कि नीति आयोग की किस बात से आपके दिल को चोट लगी?

- तुम दिल मत जलाओ वर्मा। खुदा नीति आयोग वालों का बेड़ा गर्क करे। वे कह रहे हैं कि 2022 तक भारत से भ्रष्टाचार मिटा देंगे।

- तो इसमें बुरा क्या है; यदि भ्रष्टाचार समाप्त हो गया, तो सबका भला ही होगा ?

- भाड़ में जाएं सब। यदि भ्रष्टाचार मिट गया, तो सरकारी दफ्तरों में उल्लू बोलने लगेंगे। कई सरकारी कर्मचारी तो दफ्तर में आते ही इसीलिए हैं। भ्रष्टाचार के रास्ते खुले हैं, इसीलिए सरकारें चल रही हैं। रिश्वत का तेल न मिले, तो फाइलें बीच रास्ते में ही दम तोड़ दें। जो लोग भारत से भ्रष्टाचार मिटाना चाहते हैं, वे चीन और पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे हैं। वे चाहते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो जाए। ऐसे लोग देश के दुश्मन हैं।

- लेकिन शर्मा जी, अब तो आप रिटायर हो गये हैं। आपने अपने समय में खूब कमाया और खाया। अब यदि भ्रष्टाचार समाप्त हो जाए, तो आपको क्या अंतर पड़ेगा?

- बहुत अंतर पड़ेगा। मैंने जहां 40 साल बिताये हैं, वहां की रग-रग को जानता और पहचानता हूं। आज भी बहुत से लोग अपने काम के लिए मेरे पास आते हैं। मेरे एक फोन से उनकी फाइल मंजिल पर पहुंच जाती है। इसीलिए तो मुझे अपनी गाड़ी और रसोई के ईंधन में पैसे नहीं खर्चने पड़ते। मेरे बिजली और पानी के बिल अपने आप ही जमा हो जाते हैं। मैं नीति आयोग की इन बेहूदी नीतियों का घोर विरोधी हूं।

- लेकिन मोदी बहुत सख्त आदमी है शर्मा जी।

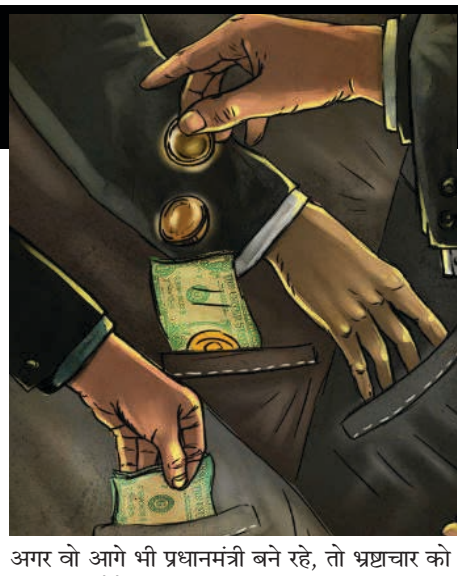

अगर वो आगे भी प्रधानमंत्री बने रहे, तो भ्रष्टाचार को मिटा कर रहेंगे।

- वर्मा जी, भ्रष्टाचार भारत की नसों में दौड़ने वाले खून की तरह है। इसे मिटाने की कोशिश करने वाले मिट जाएंगे; पर ये सदा रहेगा। इसलिए जाकर मोदी से कह दो कि भ्रष्टाचार से न लड़े। जो इससे टकरायेगा, चूर-चूर हो जाएगा।

इतना कहते-कहते शर्मा जी का चेहरा अंगारे की तरह लाल हो गया। सांसें धौंकनी की तरह चलने लगीं। उन्होंने गुस्से में चाय का कप दीवार पर दे मारा और उस अखबार को फाड़कर चिंदी-चिंदी कर दिया, जिसमें नीति आयोग के अध्यक्ष का वक्तव्य छपा था।

महाराष्ट्र क्राईम्स

मुंबई, 05 जून 2024

## पोखरें में उतराया मिला लापता व्यक्ति का शव, हत्या की आशंका

**मीरजापुर/कछवां।** थाना क्षेत्र के चकिया निगतपुर गांव स्थित पोखरे में सोमवार को एक व्यक्ति का शव पानी में उतराया मिला। इसकी जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर शिनाख्त कराने की कोशिश की। करीब एक घंटे बाद उसकी शिनाख्त विजय कुमार पटेल (55) पुत्र श्याम नारायण पटेल निवासी पत्ती का पुरा बच्छांव जनपद वाराणसी के रूप में हुई।

विजय के पुत्र चंद्रशेखर पटेल ने बताया कि रविवार को चाचा सुरेंद्र पटेल के पुत्र की बरात चकिया गांव निवासी महेंद्र पटेल के यहां गई थी। जिसमें शामिल होने परिवार के सभी लोग गए हुए थे। वहां साथ में ही खाना खाने के बाद परिवार के सभी लोग वाहन से निकलने लगे। इसी दौरान खाना खाने तक पिता को देखा गया था, फिर हम सभी निकल गए। वे सुबह तक घर नहीं पहुंचे तो खोजबीन शुरू की गई। पुत्र ने बताया कि रिश्तेदारी में जन्मदिन था। उसमें शामिल न होकर वे शादी में शामिल होने गए थे। हम सभी सोचे कि हो सकता है कि रात में वहीं चले गए होंगे, लेकिन पता किया गया तो वहां भी नहीं पहुंचे थे।

खोजबीन के दौरान कछवां से रिश्तेदार द्वारा भेजे गए फोटो के माध्यम से पता चला कि इस तरह की घटना हो गई है। विजय चेहरे पर चोट के निशान होने पर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। विजय से दो पुत्र और एक पुत्री हैं। एक पुत्र और एक पुत्री की शादी हो गई है। कछवां थानाध्यक्ष संजीत बहादुर ने बताया कि पोखरे से शव बरामद हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत के कारण की पुष्टि होगी।

## पुलिस के द्वारा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर ड्रोन कैमरें से निगरानी एवं वीडियोग्राफी करते हुए देखा टोकने पर भाग खड़ी हुई पोलिस

**लखनऊ।** उ0प्र0 की पुलिस के द्वारा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, 10 माल एवेन्यू, नेहरू भवन लखनऊ का ड्रोन कैमरें के माध्यम से निगरानी एवं वीडियोग्राफी करते हुए देखी गई है जो टोकने पर भाग खड़ी हुई है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन पूर्व मंत्री डॉ0 सी0पी0 राय ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव गृह और पुलिस महानिदेशक से पूछा है कि ऐसे समय में जब देश में लोकसभा चुनाव की मतगणना हो रही है। इस तरह की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी का क्या इरादा है? आखिर आप क्या कार्यवाही करना चाहते हैं?

डॉ0 राय ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के साथ देश की आम जनता ने भी लड़ाई लड़ी है। जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी बुरी तरह से हार रही है और देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। डॉ0 राय ने कहा कि बड़ी संख्या में ऐसी सीटें हैं जिनमें जीत-हार का मार्जिन बहुत कम है। कई जगहों पर कार्यकर्ताओं ने शिकायत की है कि सत्ता की ताकत से उन सीटों को हराने का प्रयास हो रहा है। डॉ0 राय ने कहा कि जनता ऐसी कोई हरकत बदर्शात नहीं करेगी।

## फूलपुर में खिला कमल, इलाहाबाद में कांग्रेस ने दर्ज की जीत, कौशाम्बी-प्रतापगढ़ में दौड़ी साइकिल

प्रयागराज। इलाहाबाद और आसपास की चार में से दो सीटें सपा ने जीत लीं। इलाहाबाद सीट पर कांग्रेस ने झंडा गाड़ा, तो कौशाम्बी और प्रतापगढ़ सीटें सपा ने छीन लीं। जबकि सिर्फ फूलपुर की सिर्फ एक सीट पर भाजपा कमल खिलाने में कामयाब हो सकी। चार दशक बाद इलाहाबाद सीट पर कांग्रेस के उज्ज्वल रमण सिंह ने भाजपा के नीरज त्रिपाठी को पराजित किया। सपा के वरिष्ठ नेता रेवती रमण सिंह के पुत्र उज्जवल सपा शासन काल में मंत्री भी रह चुके हैं। कांग्रेस के टिकट पर उज्ज्वल रमण सिंह ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे पं.केशरीनाथ त्रिपाठी के पुत्र नीरज को 58,795 मतों से हराया। उज्जवल को 4,62,145 और नीरज को 4,03,350 मत मिले।

इसी तरह फूलपुर लोक सभा सीट पर कांटे की टक्कर में भाजपा ने जीत दर्ज की। भाजपा ने फूलपुर से ही तीन बार के विधायक रहे प्रवीण पटेल को इस बार अपना उम्मीदवार बनाया था। प्रवीण ने सपा उम्मीदवार अमरनाथ मौर्य को 4,332 मतों से हराया। प्रवीण को 4,52,600 और अमरनाथ को 4,48,268 मत मिले।

इसी तरह प्रतापगढ़ सीट पर सपा के डॉ. एसपी सिंह पटेल ने 66,206 मतों से जीत दर्ज की। यहां एसपी सिंह को 4,41,932 और भाजपा सांसद रहे संगम लाल गुप्ता को 3,75,726 वोट मिले।

# यूपी ने भाजपा को अकेले बहुमत हासिल करने से रोका, सपा ने 37 सीटों के साथ रचा इतिहास

लखनऊ। सूबे की सियासत की चर्चित कहावत है कि दिल्ली की कुर्सी का रास्ता यूपी से होकर जाता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यह कहावत एक बार फिर सही साबित हुई। प्रदेश में 2014 से लोकसभा व विधानसभा के लगातार चार चुनावों में शानदार प्रदर्शन कर रही भाजपा को इस चुनाव में यूपी में तगड़ा झटका लगा है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने भाजपा व उसके सहयोगी दलों के विजय रथ को कुल 80 सीटों में आधे से भी कम 36 पर रोक दिया। भाजपा 33 व सहयोगी दल तीन सीटें ही पा सके। इसका असर ये हुआ है कि भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर पूर्ण बहुमत का जादुई आंकड़ा अकेले हासिल नहीं कर पाई।

समाजवादी पार्टी 37 व कांग्रेस छह सीटों के साथ 43 सीटें जीतने में सफल रही। भाजपा को 2014 में अकेले 71 व 2019 में 62 सीटें मिली थीं। बसपा वर्ष 2014 की तरह यह चुनाव भी अकेले लड़ी। अकेले लड़कर वह इस चुनाव में भी खाता नहीं खोल पाई। बसपा ने पिछला चुनाव सपा से गठबंधन कर लड़ा था और 10 सीटें जीतकर बड़े फायदे में थी।

पीएम नरेंद्र मोदी वाराणसी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ से लगातार तीसरा चुनाव जीते। लेकिन, केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कई मंत्री चुनाव हार गए हैं। कांग्रेस ने रायबरेली सीट पर अपना कब्जा तो बरकरार ही रखा, केंद्रीय मंत्री स्मृति जूबिन इरानी से अमेठी सीट भी छीन ली है। रायबरेली सीट सोनिया गांधी ने छोड़ी थी, जिसे राहुल ने बरकरार रखा। अमेठी में गांधी परिवार के करीबी किशोरीलाल शर्मा ने इरानी को हराकर पिछले चुनाव में राहुल की हार का हिसाब बराबर कर लिया। नजरें सपा मुखिया अखिलेश यादव के परिवार के सदस्यों से जुड़ी सीटों पर भी थी। अखिलेश यादव परिवार के सभी सदस्य अपनी-अपनी सीटें आसानी से जीत गए।

लेकिन, 2022 में आरएलडी सहित अन्य छोटे दलों के साथ गठबंधन का प्रयोग बेहतर रहा। वह भाजपा से सत्ता छीन तो नहीं सके लेकिन उसकी सीटें घटाने में सफल रहे। 2017 में भाजपा को जहां 312 और सपा को 47 सीटें मिली थीं। 2022 में वह भाजपा को 255 पर रोककर सपा को 111 सीटों तक पहुंचा ले गए। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन भी कारगर साबित हुआ। सपा को वह अब तक की सबसे अधिक सीटें दिलाने में सफल हुए हैं। 2004 में सपा को 35 सीटें मिली थीं। इस बार 36 सीटें जिताने में सफल रहे।

अखिलेश यादव ने स्वयं सहित परिवार के पांच सदस्यों को टिकट दिया था। यादव समाज से सिर्फ परिवार के लोगों को टिकट देने पर उनकी आलोचना भी हुई थी। अखिलेश कन्नौज से, डिंपल यादव मैनपुरी से, धर्मेंद्र यादव आजमगढ़, अक्षय यादव फिरोजबाद व आदित्य यादव बदायूं से चुनाव जीत गए हैं।

### कांग्रेस को 2009 के बाद सबसे बड़ी सफलता

2009 के बाद कांग्रेस को यूपी में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पार्टी का सपा से गठबंधन का दांव सफल साबित हुआ। 2009 में कांग्रेस को 21 सीटें मिली थी। 2014 में सिर्फ गांधी परिवार के प्रभाव वाली अमेठी व रायबरेली तथा 2019 में केवल रायबरेली सीट बचा पाई थी। इस बार पार्टी 17 सीटों पर चुनाव लड़कर छह सीटें जीतने में सफल रही है। सोनिया गांधी ने रायबरेली सीट छोड़ते समय कांग्रेस के लोगों से भावनात्मक अपील की। इसके बाद चुनाव के दौरान भी उन्होंने अपनी भावनात्मक अपील दोहराई। इसका काफी असर पड़ा। कांग्रेस न सिर्फ रायबरेली व अमेठी जीतने में सफल रही बल्कि प्रदेश की पांच अन्य सीटें भी जीतने में सफल रही।

# मिर्जापुर लोकसभा में अनुप्रिया पटेल जीतीं, सपा के रमेश बिंद हारे

लखनऊ। मिर्जापुर लोकसभा सीट पर अपना दल सोनेलाल की प्रमुख अनुप्रिया पटेल जीत गई हैं। उनके मुकाबले उतरे सपा के रमेश बिंद हार गए हैं। अनुप्रिया ने 37810 वोटों के अंतर से रमेश बिंद को हराया। अनुप्रिया पटेल को 471631 वोट मिले हैं। रमेश बिंद को 433821 वोट मिले हैं। पड़ोसी जिले भदोही से रमेश बिंद मौजूदा सांसद भी है।

रमेश बिंद को इस बार सपा ने टिकट देकर अनुप्रिया पटेल के खिलाफ उतारा है। मिर्जापुर यूपी में बुलंदशहर के बाद दूसरी ऐसी सीट है जहां से दो मौजूदा सांसदों के बीच ही मुकाबला हुआ।

मिर्जापुर लोकसभा सीट देश की ऐसी सीटों में शामिल हैं जहां से तीसरी बार कोई सांसद नहीं बना है। लेकिन अब इस मिथक को अनुप्रिया पटेल ने तोड़ दिया है। दस्यु सुंदरी के नाम से मशहूर फूलन देवी को भी इसी सीट से पहली बार संसद में जाने का मौका मिला। वह दो बार यहां से सांसद चुनी गईं। फूलन के अलावा अजीम इमाम, उमाकांत मिश्र, वीरेंद्र सिंह दो-दो बार यहां से सांसद बनने का गौरव हासिल कर चुके हैं।

मिर्जापुर सीट पर पिछली बार अनुप्रिया पटेल ने सपा-बसपा गठबंधन के बाद भी 2019 के लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की थी। अनुप्रिया पटले को अकेले आधे से ज्यादा वोट मिले थे। अनुप्रिया पटेल ने 53 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल कर लिये थे। उनके खिलाफ उतरे सपा, कांग्रेस और अन्य प्रत्याशी उनसे काफी दूर रह गए थे। अनुप्रिया को 5 लाख 91 हजार 564 वोट मिले। सपा-बसपा गठबंधन के प्रत्याशी रामचरित्र निषाद को 3 लाख 59 हजार 556 मतों से संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस के प्रत्याशी ललितेश पति त्रिपाठी को केवल 91 हजार 501 मत ही मिल सके थे।

### पांचों विधानसभा सीटों पर भाजपा और सहयोगियों का कब्जा

मिर्जापुर लोकसभा सीट के अंतर्गत पांच विधानसभा सीटें आती हैं। सभी पांच सीटों पर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों ने कब्जा जमाया था। तीन सीटें भाजपा को मिली थीं। एक-एक सीटों पर भाजपा की सहयोगी अपना दल और निषाद पार्टी ने जीत हासिल की थी। छानबे सीट पर अपना दल विधायक राहुल प्रकाश कोल के निधन के बाद हुए उपचुनाव में सीट पार्टी के पास बरकरार रही और उनकी पत्नी ने जीत हासिल की।

इसके अलावा मिर्जापुर विधानसभा सीट पर भाजपा के रत्नाकर मिश्र, चुनार सीट पर भाजपा के अनुराग सिंह और मड़िहान सीट पर भाजपा के ही रमाशंकर पटेल विधायक बने। मझवां सीट पर निषाद पार्टी के विनोद कुमार बिंद चुनाव जीते थे। विनोद कुमार बिंद को ही भाजपा ने इस बार अपने सिंबल पर भदोही लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है। उनका मुकाबला इंडिया गठबंधन के टीएमसी के प्रत्याशी ललितेशपति त्रिपाठी से है।

### दो-दो बार कई नेता बने सांसद, तीसरी बार कोई नहीं

मिर्जापुर सीट पर अब तक दो-दो बार सांसद बनने का मौका कई नेताओं को मिला है। लेकिन तीसरी बार अभी तक कोई यहां से सांसद नहीं बन सका है। जॉन एन विल्सन, फूलन देवी, अजीम इमाम, वीरेंद्र सिंह, उमाकांत मिश्र और अनुप्रिया पटेल दो-दो बार यहां से सांसद का चुनाव जीत चुके हैं। सबसे पहले 1952 और 57 में कांग्रेस के जॉन एन विल्सन यहां से सांसद बने। 1962 में श्याम धर मिश्र ने सीट जीती।

# पूर्व संध्या पर निशुल्क पौधों का वितरण किया एवं भंडारे का आयोजन किया गया : प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एवं प्रगति इवेंट के संयुक्त तत्वाधान में विगत कई वर्षों से संस्था सामाजिक धार्मिक पर्यावरण सफाई एवं चिकित्सा से संबंधित कार्य किए जा रहे हैं। समय-समय पर सरकार के साथ सहयोग करके समाज के उत्थान के लिए संस्था निरंतर प्रयतशील है।

प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट पिछले कई वर्षों से ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल को बहुत ही उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाती आ रही है। इस बार का दूसरा बड़ा मंगल बहुत ही विशेष है क्योंकि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में ही मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर संस्था द्वारा निशुल्क पौधों का वितरण भी किया एवं भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया।

बलिंगटन स्थित आर्केड मॉल में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट दूसरे बड़े मंगल के अवसर पर निशुल्क पौधों का वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। लखनऊ समेत पूरे उत्तर भारत में ज्येष्ठ माह के सभी बड़े बंगलो का अत्यधिक महत्व है इसके पीछे कई किदवंतियां एवं आस्था जुड़ी हुई है।उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बड़े मंगल का पर्व बहुत ही धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट हमेशा अपनी जिम्मेदारियां को समझते हुए इन आयोजनों में बहुत बढ़कर भाग लेती है। वेलिंगटन स्थित आर्केड मॉल पर प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के कार्यालय पर सर्वप्रथम सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तदोपरांत हनुमान की आरती के साथ भंडारे का शुभारंभ किया गया। आए हुए सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर संस्था के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष एन बी सिंह द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई।

प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के भंडारे में विशेष रूप से सुनील भाटिया, शाश्वत सिंह, अखिलेश, इस मौके पर बड़ी संख्या में आए भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। सभी भक्तों को अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष एन बी सिंह द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई।

प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के भंडारे में विशेष रूप से सुनील भाटिया, शाश्वत सिंह, अखिलेश, हेमंत, आर एल पांडे, आशीष द्विवेदी, कृष्णानंद राय शिखा सिंह पटेल राधा बेस्ट देवेंद्र मोदी, प्रिया सिंह चौहान, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, शिवम सिंह, सतीश, जयदेव बदलनी, विवेक बदलनी, मोहन, प्रीति, सोनू, मनीष, मानव विशेष रूप से शामिल हुआ।

# नवी मुंबई में 80 लाख की धोखाधड़ी, फर्जी CBI अधिकारी गिरफ्तार

**नवी मुंबई :** केंद्रीय जांच ब्यूरो के लिए अनुबंध के आधार पर काम करने वाले एक ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज होने के करीब 10 दिन बाद सीबीडी बेलापुर पुलिस ने उसे कोपरखैराने से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सुनील धूमल (48) ने शिकायतकर्ता प्रसाद घोरपड़े और उसके दोस्त को 500 एकड़ जमीन देने का वादा करके 80 लाख रुपये की ठगी करने के बाद अपना नंबर बदल लिया था। जांच में पुलिस को आरोपी का मौजूदा मोबाइल नंबर मिला और उसे कोपरखैराने से ट्रेस किया गया, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। पेशे से मजदूर ठेकेदार और कोल्हापुर निवासी घोरपड़े की आरोपी धूमल से वर्ष 2019 में उसके गृहनगर में मुलाकात हुई थी, जहां धूमल ने खुद को CBI में कांस्टेबल बताया था। वह लाल बत्ती वाली कार में घूमता था और उसके पास फर्जी पहचान पत्र भी था। उसने घोरपड़े से कहा था कि वन विभाग ने उसे सतारा में 500 एकड़ जमीन उपहार में दी है, जिसे वह बेच सकता है। धूमल ने एक दस्तावेज पेश किया और कहा कि यह डिंडोशी कोर्ट का आदेश है, जिसमें कहा गया है कि जमीन धूमल की है। इसके साथ ही उन्होंने वन विभाग का एक फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र भी पेश किया, जिसमें कहा गया है कि उक्त भूखंड धूमल को दिया गया है और वह इसे बेचने के लिए स्वतंत्र हैं।

आरोपियों के दावों पर विश्वास करते हुए घोरपड़े ने पैसे देने के लिए अपने एक अन्य मित्र प्रसाद जैन से संपर्क किया। तीनों ने नवी मुंबई में कई बैठकें कीं और पहला नकद लेनदेन सीबीडी बेलापुर में हुआ। वर्ष 2021 से दिसंबर 2023 तक घोरपड़े और जैन ने सामूहिक रूप से धूमल को 80 लाख रुपये का भुगतान किया। भुगतान होने के बाद घोरपड़े ने धूमल से उनके नाम पर भूमि हस्तांतरण का अंतिम आदेश मांगना शुरू कर दिया। धूमल ने टालमटोल जवाब देना शुरू कर दिया और बाद में उनका फोन उठाना बंद कर दिया। घोरपड़े ने तब बेलापुर में सीबीआई कार्यालय से पूछताछ की और पाया कि धूमल सीबीआई में कांस्टेबल नहीं था और केवल अनुबंध के आधार पर ड्राइवर था। फिर उन्होंने अदालत और वन विभाग से 'दस्तावेजों' का सत्यापन किया और पाया कि यह फर्जी है।

धोखाधड़ी का एहसास होने के बाद, उन्होंने सीबीडी बेलापुर पुलिस से संपर्क किया और धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज कराया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गिरिधर गोरे ने कहा, ''आरोपी शुक्रवार तक हमारी हिरासत में है और बाद में उसे फिर से अदालत में पेश किया जाएगा। हम जांच कर रहे हैं कि क्या उसने इसी तरह से और लोगों को धोखा दिया है।''

# दिल्ली की बैठक पीएम चेहरे को लेकर ही बैठक होगी-उद्धव ठाकरे

**मुंबईः** महाराष्ट्र के नतीजों में उद्धव ठाकरे और उनके सहयोगियों ने एनडीए को तगड़ा झटका दिया है. नतीजों के बाद उद्धव ठाकरे ने अपनी प्रतिक्रिया दी.

लोकसभा चुनाव के नतीजों पर शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया आई है. उन्होंने कहा कि इंडिया अलायंस को सरकार बनाने के लिए दावा करना ही चाहिए. प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आम जनता ने अपनी ताकत क्या है, वो दिखा दी है. एक उंगली में कितनी ताकत है, वो बता दिया है. उन्होंने कहा कि बुधवार (5 जून)की दोपहर को दिल्ली में बैठक के लिए वो जाएंगे. उन्होंने कहा कि दिल्ली की बैठक पीएम चेहरे को लेकर ही बैठक होगी.

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जहां-जहां गए वहां चुनाव हार गए. उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं कहता हूं कि उनको हर जगह जाना चाहिए था. तब हर जगह हमारी जीत होगी. जितने लोगों ने हमारे ऊपर भरोसा जताया उनको धन्यवाद करता हूं.ह्व

उद्धव ठाकरे ने सीएम एकनाथ शिंदे का नाम लिए बिना निशाना साधा. उन्होंने कहा, ''मेरी पार्टी का चुनाव चिह्न छीना गया.मेरे पिता की तस्वीर का इस्तेमाल कर चुनाव जीता. मैंने कभी नहीं कहा कि मैं परमात्मा हूं. मैंने अपनी लड़ाई लड़ी.ह्व

# मुंबई में विशेष पीएमएलए कोर्ट ने बिल्डर ललित टेकचंदानी के खिलाफ ईडी की शिकायत पर संज्ञान लिया

**मुंबई :** मुंबई में विशेष पीएमएलए कोर्ट ने बिल्डर ललित टेकचंदानी और 15 अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई जोनल ऑफिस द्वारा दायर अभियोजन शिकायत का संज्ञान लिया है, एजेंसी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा। ईडी के अनुसार, अभियोजन शिकायत 15 मई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत दायर की गई थी, जिसके लिए अदालत ने 29 मई को संज्ञान लिया था। तलोजा पुलिस स्टेशन और चेंबूर पुलिस स्टेशन द्वारा आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज दो एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि सुप्रीम कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर प्राइवेट लिमिटेड (एससीडीपीएल), टेकचंदानी और अन्य द्वारा प्रतिनिधित्व की गई कंपनी ने नवी मुंबई के तलोजा में एक हाउसिंग प्रोजेक्ट में संभावित घर खरीदारों से भारी मात्रा में धन एकत्र किया। घर खरीदारों को न तो फ्लैट दिए गए और न ही उन्हें पैसे वापस किए गए।

ईडी की जांच में पता चला है कि एससीडीपीएल ने नवी मुंबई के तलोजा में एक हाउसिंग प्रोजेक्ट में कई घर खरीदारों से 400 करोड़ रुपये से अधिक की भारी धनराशि एकत्र की। परियोजना में देरी के कारण इन घर खरीदारों को फ्लैट या रिफंड के बिना परेशानी का सामना करना पड़ा। ईडी की जांच में यह भी पता चला है कि टेकचंदानी ने अन्य आरोपी व्यक्तियों की सहायता से कंपनी के स्वामित्व और निदेशक पद से बाहर निकलने के बावजूद एससीडीपीएल की संपत्तियों को अलग कर दिया। ईडी की जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी व्यक्ति कंपनी की प्राप्तियों को एक सहयोगी इकाई के खाते में स्थानांतरित कर रहे थे, जिससे धन की हेराफेरी हो रही थी। ललित टेकचंदानी को ईडी ने 18 मार्च, 2024 को गिरफ्तार किया था। वह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है। उससे पूछताछ में पता चला है कि घर खरीदारों से प्राप्त धन को बिल्डर ने निजी लाभ और परिवार के सदस्यों सहित विभिन्न नामों पर संपत्ति बनाने के लिए लूटा था। अपराध की आय की पहचान करने के बाद, ईडी ने पहले मामले में 113.5 करोड़ रुपये की कुल कीमत वाली चल और अचल संपत्तियों के संबंध में एक अनंतिम कुर्की आदेश जारी किया है। ईडी ने मामले में 43 करोड़ रुपये के शेयर, म्यूचुअल फंड या सावधि जमा में निवेश को भी फ्रीज या जब्त कर लिया है। एजेंसी ने कहा कि आगे की जांच चल रही है।

# दिग्गजों को मिली हार, जानिए कहां से कौन जीता?

**मुंबईः** लोकसभा चुनाव - 2024 में महाराष्ट्र में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है. राज्य में इंडिया गठबंधन एनडीए पर भारी पड़ा है. कई दिग्गज नेताओं को हार का सामना करना पड़ा है. इसमें अमरावती से नवनीत राणा, बारामती सीट से अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार और उज्जवल निकम जैसे नेताओं को हार का सामना करना पड़ा है. राज्य में पहले चरण में 19 अप्रैल को 5, दूसरे चरण में 26 अप्रैल को 8, तीसरे चरण में 13 मई को 11 और पांचवें चरण में 20 मई को 13 सीटों पर वोटिंग हुई थी.

**रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट से नारायण राणे की जीत**

रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट से केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे ने शिवसेना (उद्धव गुट) के प्रत्याशी को शिकस्त दी है. राणे ने दो बार के सांसद विनायक राउत को 47 हजार 858 मतों के अंतर से हराया. राणे को 4 लाख 48 हजार 514 वोट मिले. वहीं, राउत को 4 लाख 656 वोट मिले.

**नासिक सीट से राजाभाऊ वाजे की बड़ी जीत**

नासिक सीट से शिवसेना (उद्धव गुट) के प्रत्याशी राजाभाऊ वाजे ने बड़ी जीत दर्ज की है. उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 1 लाख 61 हजार 103 वोटों से हराया है. शिंदे गुट को यहां से बड़ा झटका है.

# दिमागी रूप से अस्थिर व्यक्ति की ग्रामीणों ने पीट-पीटकर की हत्या... छह गिरफ्तार

**लातूर :** महाराष्ट्र के लातूर जिले में ग्रामीणों के एक समूह ने मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना को लेकर पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी देते हुये बताया कि इस सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना लातूर के अहमदपुर तहसील के हाडोल्टी गांव की है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 29 मई को लातूर के अहमदपुर तहसील के हाडोल्टी गांव में हुई इस घटना के सिलसिले में पुलिस ने 50 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले में अभी तक छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक दिलीप उर्फ विलास नागोराव कालगिरे (40) मानसिक रूप से अस्थिर था और घटना वाले दिन उसने सड़क पर कुछ ग्रामीणों की पिटाई की थी। उसने ग्रामीणो में से एक को लोहे की रॉड से गंभीर रूप से घायल कर दिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद 50 से 60 ग्रामीणों

के एक समूह ने दिलीप को एक पेड़ से बांध दिया और उसकी पिटाई की, जिसके बाद उसे अहमदपुर के एक अस्पताल ले जाया गया और बृहस्पतिवार को लातूर के सरकारी अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक, मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स, ४९६, पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू), मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया । RNI NO. : MAHHIN/1998/02261
संपादक सिराज चौधरी मो. ७७७७०६०६८७ www. maharashtracrimes. in / www. maharashtracrimes. blogspot. in Email : editor@maharashtracrimes. in / maharashtracrimes@gmail. com